राजस्थान पत्रिका 17/09/2019

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से

उदयपुर. पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग के तीन दिवसीय 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज 18 सितम्बर को शौर्यगढ़ में होगा। डेल नेटवर्क समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने बताया कि अधिवेशन में देश-विदेश से करीब 3 सौ से अधिक पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।

नवज्योति 17/09/2019

पुस्तकालय एवं सूचना नेटवर्किंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से

ब्यूरो नवज्योति, उदयपुर। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग पर 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 20 सितंबर तक शौर्यगढ़ में होगा। डेल नेटवर्क समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने बताया कि मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, विशिष्ट अतिथि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एपी गुप्ता, अति विशिष्ट अतिथि डेल नेट के निदेशक डॉ. एचके कौल होंगे। अधिवेशन में देश-विदेश के 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ भाग लेंगे। अधिवेशन में पुस्तकालयों में प्रबंधन, नवीन पुस्तकालय सेवाएं, कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी तकनीकीकरण, सामग्री प्रबंधन, साझाकरण, खुली पहुंच और भविष्य के पुस्तकालय सहित प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी।

राष्ट्रदूत 18/09/2019

राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

उदयपुर,(कासं)। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग का 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 20 सितम्बर को शौर्यगढ़ में आयोजित होगा।

डेल नेटवर्क के समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने बताया कि उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, विशिष्ट अतिथि पैसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. ए.पी. गुप्ता, अति विशिष्ट अतिथि डेल नेट के निदेशक डॉ. एच.के. कौल होंगे। इस अधिवेशन में देश विदेश के 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में पुस्तकालयों में प्रबन्धन, नवीन पुस्तकालय सेवाएं, कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी तकनीकिकरण, सामग्री प्रबन्धन, साझाकरण, खुली पहुंच और भविष्य के पुस्तकालय सहित प्रमुख विषयों पर चर्चा की जायेगी। डेल नेट विश्वव्यापी 6700 पुस्तकालयों से जुड़ा नेटवर्क है जो प्रतिवर्ष अलग-अलग शहरों में आयोजन करता है। डेल नेट 4 करोड़ से अधिक विभिन्न विषयों से जुड़ा डाटाबेस उपलब्ध कराता है। राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय डेलनेट से जुडे हुए है।

संयोजक रघुवीर सिंह देवड़ा ने बताया कि अधिवेशन में डेल नेट अध्यक्ष जयकुमार, एच के कॉल निदेशक गिरधर बिलड़ा संस्थान पिलानी, जेएनयू के डॉ. मनोरमा त्रिपाठी, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. अलका सूरी, डॉ. देवीका, डॉ. प्रसाद, डीआरसीटी आदि मौजूद रहे।

पत्रिका 18/09/2019

आज के कार्यक्रम...

पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग का 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन

समय: सुबह 10 बजे

स्थान: शौर्यगढ़

आयोजक: डेल नेटवर्क

नवज्योति 18/09/2019

पुस्तकालय,सूचनाविदों का राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

ब्यूरो/नवजयोति/उदयपुर। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग का 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार प्रातः 10 बजे शौर्यगढ़ में होगा।

डेल नेटवर्क के समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने बताया कि उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, विशिष्ट अतिथि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एपी गुप्ता, अति विशिष्ट अतिथि डेल नेट के निदेशक डॉ. एचके कौल होंगे। अधिवेशन में देश-विदेश के 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में पुस्तकालयों में प्रबन्धन, नवीन पुस्तकालय सेवाएं, कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी तकनीकिकरण, सामग्री प्रबन्धन, साझाकरण, खुली पहुंच और भविष्य के पुस्तकालय आदि विषयों पर चर्चा होगी।

नवज्योति 19/09/2019

लाइब्रेरी साइंस में आईसीटी हो अनिवार्य, अपडेट रहें लाइब्रेरियन

डेलनेट सम्मेलन शुरू, हिस्सा ले रहे हैं 300 से अधिक एक्सपर्ट

ब्यूरो नवज्योति/ उदयपुर।

लाइब्रेरी साइंस में वर्तमान में इंफॉर्मेशन, कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) के हर पहलू को शामिल किया जाना चाहिए। जबकि, इस क्षेत्र के कर्मचारियों को भी अपडेट रहने की आवश्यकता है। पहले जहां सिर्फ परंपरागत थ्यौरी पर यह कार्य होता था, वर्तमान में हुए बदलाव के बाद अब आईसीटी इस क्षेत्र की प्राथमिकता बन गई है। यह बात मोहनलाल सुखाड़िया विवि के पुस्तकालय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. टीडी तिलवानी ने कही। अवसर था, शौर्यगढ़ पैलेस में डेलनेट की मेजबानी में शुरू हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'नेकलीन' का। सेमिनार में सुविवि के एमलीब व बीलीब के विद्यार्थियों को डेलनेट की नई तकनीकियों की जानकारी दी गई। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग पर आधारित यह 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 20 सितम्बर तक जारी रहेगा। डेल नेटवर्क की समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने बताया कि सेमिनार में देश विदेश के 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में आए विशेषज्ञों ने कहा कि लाइब्रेरी में टेक्नोलॉजी काफी हद तक अपना प्रभाव रखने लगी है। इसलिए, लाइब्रेरियन को भी टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर से अपडेट रहने की आवश्यकता है। बता दें, डेल नेट 4 करोड़ से अधिक विभिन्न विषयों से जुड़ा डाटाबेस उपलब्ध कराता है। राजस्थान के लगभग सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय डेलनेट से जुड़े हुए है। विशिष्ट अतिथि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एपी गुप्ता ने कहा कि सॉफ्टकॉपी और गैजेट्स से भरे आज के माहोल में लाइब्रेरी सर्विस को भी बेहतर बनाना होगा, जिससे यूजर्स लाईब्रेरी की ओर अट्रेक्ट हो सके।

प्रातःकाल 19/09/2019

अब आईसीटी प्राथमिकता, अपडेट रहना होगा लाइब्रेरियन को

तीन दिवसीय डेलनेट सम्मेलन शुरू

उदयपुर (वि)। लाइब्रेरी साइंस में भी वर्तमान में कई अपडेट हुए हैं, पहले जहां सिर्फ परंपरागत थ्योरी पर यह कार्य होता था, वर्तमान में अब सारी स्थितियों में भी बदलाव हो गया है। अब इंफॉर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लाइब्रेरी साइंस में प्राथमिकता साबित हुई, इसी के साथ अब लाइब्रेरियन को भी हर कदम पर अपडेट रहने की आवश्यकता है। सुखाडिया विवि. के एम. लिब बी लिब के विद्यार्थियों को डेल नेट की नवीन तकनीकियों से जानकारी दी जा रही है। यह बात मोहनलाल सुखाड़िया विवि के पुस्तकालय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो टीडी तिलवानी ने कही। अवसर था, स्थानीय शौर्यगढ पैलेस में डेलनेट की मेजबानी में शुरू हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार नेकलीन का। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग पर आधारित यह 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का। समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने प्रारम्भ मे प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि देश-विदेश के 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। लाईब्रेरी में टैक्नोलॉजी काफी हद तक अपना प्रभाव रखने लगी है। इसलिए लाईब्रेरियन को भी टैक्नोलॉजी और सॉफ्वेयर से अपडेट रहने की आवश्यकता है। उदघाटन सत्र में संयोजक रघुवीर सिंह देवड़ा ने बताया कि अधिवेशन में डेल नेट अध्यक्ष डॉ एचके कॉल ने बताया कि आईटी सेक्टर में हर दिन नया अपडेट हो रहा है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि इस क्षेत्र में जो काम करने वाले कर्मचारी हैं वे भी अपने स्तर पर अपडेट होने में कोई कसर नहीं छोडे।

विशिष्ट अतिथि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो एपी गुप्ता ने कहा कि सॉफ्ट कॉपी और गैजेट्स से भरे आज के माहोल में लाईब्रेरी सर्विस को भी बेहतर बनाना होगा, जिससे यूजर्स लाईब्रेरी की ओर अटैऊक्ट हो सके। इसके लिए लाईब्रेरी एक्टिविटी में बदलाव किया जा सकता है। उन्होने कहा की पेसिफिक महाविद्यालय सभी लाईब्रेरी डेल नेट से जुडी हुई है जिसका लाभ विद्यार्थियों को मिल रहा है। तकनीकी सत्रों में डॉ. गिरधर एम कुनकुर डॉ. मनोरमा त्रिपाठी ने इनोवेटीव प्रेक्टिस फोर युजर्स ओपन सोर्स रेफरेन्स मैनेजमेन्ट पत्र वाचन किया सेमिनार में सोविनयर तथा प्रोसडिंग का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। धन्यवाद डॉ संगीता कॉल ने दिया। मीडिया प्रभारी संयोजक डॉ. घनश्याम सिंह भीण्डर डॉ. रघुवीर सिंह देवड़ा ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रदूत 19/09/2019

'लाइब्रेरियन को हर कदम पर अपडेट रहने की आवश्यकता'

उदयपुर में पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग पर आधारित 22वें तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को मोहनलाल सुखाड़िया विवि के पुस्तकालय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. टीडी तिलवानी ने संबोधित किया।

उदयपुर,(कासं)। "लाइब्रेरी साइंस में भी वर्तमान में कई अपडेट हुए हैं, पहले जहां सिर्फ परंपरागत थ्योरी पर यह कार्य होता था, वर्तमान में अब सारी स्थितियों में भी बदलाव हो गया है। अब इंफोर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लाइब्रेरी साइंस में प्राथमिकता साबित हुई, इसी के साथ अब लाइब्रेरियन को भी हर कदम पर अपडेट रहने की आवश्यकता है। सुखाडिया विवि. के एम. लिब बी लिब के विद्यार्थियों को डेल नेट की नवीन तकनिकियों से जानकारी दी जा रही है।"

- 300 से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषेशज्ञों ने भाग लिया

यह बात बुधवार को मोहनलाल सुखाडिया विवि के पुस्तकालय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. टीडी तिलवानी ने शौर्यगढ पैलेस में डेलनेट की मेजबानी में शुरू हुए तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार नेकलीन में कही। पुस्तकालय व सूचना नेटवर्किंग पर आधारित यह 22वां तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 20 सितम्बर तक होगा।

भास्कर 19/09/2019

लाइब्रेरियन को भी अपडेट रहने की जरूरत, क्योंकि रोज आ रहे अपडेट

पुस्तकालय और सूचना नेटवर्किंग आधारित राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

उदयपुर | डेल नेटवर्क समन्वयक डॉ. संगीता कौल ने कहा कि लाइब्रेरी में टेक्नोलॉजी काफी हद तक अपना प्रभाव रखने लगी है। इसलिए लाइब्रेरियन को भी तकनीकी और सॉफ्टवेयर से अपडेट रहने की आवश्यकता है। जल्द ही देश के इंस्टीट्यूशंस को लेटेस्ट सॉफ्टवेयर से अपग्रेड किया जाएगा।

डॉ. संगीता बुधवार को पुस्तकालय और सूचना नेटवर्किंग आधारित 22वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने बताया कि डेल नेट विश्वव्यापी 6700 पुस्तकालयों से जुड़ा है और 4 करोड़ से ज्यादा विषयों का डाटाबेस उपलब्ध कराता है। प्रदेश के लगभग सभी विवि और महाविद्यालय डेलनेट से जुड़े हैं। डेल नेट अध्यक्ष डॉ. एचके कौल ने बताया कि आईटी सेक्टर में हर दिन नया अपडेट हो रहा है। ऐसे कर्मचारियों को भी रोज अपडेट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एपी गुप्ता, डॉ. गिरधर एम कुनकुर, डॉ. मनोरमा त्रिपाठी, संयोजक रघुवीर सिंह देवड़ा, डॉ. घनश्याम सिंह भींडर आदि मौजूद थे। सम्मेलन में देश-विदेश के 300 से ज्यादा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विशेषज्ञ जुटे हैं।

आज और कल इन विषयों पर होगा मंथन : सुखाड़िया विवि के पूर्व पुस्तकालय विभागाध्यक्ष प्रो. टीडी तिलवानी ने कहा कि लाइब्रेरी साइंस में भी हाल ही कई अपडेट हुए हैं। लाइब्रेरियन को भी हर कदम पर अपडेट रहने की जरूरत है। सुविवि के एम-लिब, बी-लिब के विद्यार्थियों को डेल नेट की नई तकनीक से जानकारी दी जा रही है। अधिवेशन में पुस्तकालयों में प्रबन्धन, नवीन पुस्तकालय सेवाएं, कॉपीराइट और साहित्यिक चोरी तकनीकिकरण, सामग्री प्रबन्धन, साझाकरण, खुली पहुंच और भविष्य के पुस्तकालय आदि विषयों पर मंथन कर रहे है।

राजस्थान पत्रिका 19/09/2019

ANCHOR डेलनेट सम्मेलन का हुआ आगाज

लाइब्रेरियन को रहना होगा अपडेट

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

उदयपुर • लाइब्रेरी साइंस में भी वर्तमान में कई अपडेट हुए हैं। पहले सिर्फ परंपरागत थ्योरी पर कार्य होता था। इसमें अब परिवर्तन हो चुका है। इंफोरमेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी लाइब्रेरी साइंस में प्राथमिकता साबित हुई है। लाइब्रेरियन को भी हर कदम पर अपडेट रहने की जरूरत है।

सुखाड़िया विवि के एम लिब व बी लिब के विद्यार्थियों को डेल नेट की नवीन जानकारी दी जा रही है। यह बात मोहनलाल सुखाड़िया विवि के पुस्तकालय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो टीडी तिलवानी ने कही। शौर्यगढ पैलेस में डेलनेट की मेजबानी में शुरू हुए तीन दिवसीय 22वें राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए तिलवानी ने विषय विशेषज्ञों को वर्तमान परिस्थितियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में देश भर से करीब 3 सौ विषय विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। डेल नेटवर्क के समन्वयक डॉ. संगीता कॉल ने भी विचार व्यक्त किया। उदघाटन सत्र में संयोजक रघुवीर सिंह देवड़ा की उपस्थिति में डेल नेट अध्यक्ष डॉ एचके कॉल ने आईटी सेक्टर में हर दिन होने वाले अपडेट की जानकारी दी। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज प्राचार्य एपी गुप्ता, डॉ. गिरधर एम कुनकुर, डॉ. मनोरमा त्रिपाठी ने इनोवेटीव प्रेक्टिस फोर यूजर्स ओपन सोर्स रेफरेंस मैनेजमेंट पर पत्रवाचन किया। गौरतलब डेलनेट विश्वव्यापी 67 सौ पुस्तकालयों से जुड़ा नेटवर्क है।